गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 36 | गोरखपुर रविवार 23 फरवरी 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

पीएम मोदी ने किया कैंसर अस्पताल का शिलान्यास

बागेश्वर धाम में अब भजन और भोजन के साथ मिलेगा निरोगी जीवन

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही इसमें 100 बेड की सुविधा तैयार होगी।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश के छतरपुर के गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान शोध संस्थान की आधारशिला रखी। इस दौरान वहां मुख्यमंत्री मोहन यादव और धीरेंद्र शास्त्री भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। इससे पहले पीएम ने बागेश्वर धाम में बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और सभी देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'ये हनुमान जी की कृपा है कि आस्था का ये केंद्र अब आरोग्य का भी केंद्र बनने जा रहा है। अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम चिकित्सा एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही इसमें 100 बेड की सुविधा तैयार होगी। मैं इस पुनीत कार्य के लिए श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी का अभिनंदन करता हूं और बुंदेलखंड के लोगों को बहुत बहुत बधाई देता हूं।' पीएम मोदी ने कहा, 'आज कल हम देखते हैं कि नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है, लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती है।' उन्होंने कहा कि हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग, सदियों से किसी न किसी वेष में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए ये लोग हमारे मत, मान्यताओं और मंदिरों पर, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। पीएम ने कहा, 'ये लोग हमारे पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो धर्म, जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, उस पर ये किचड़ उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना और उसको तोड़ना ही इनका एजेंडा है।' पीएम मोदी ने कहा, 'इस माहौल में मेरे छोटे भाई धीरेन्द्र शास्त्री जी काफी समय से देश में एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूरत करते रहे हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर संस्थान के निर्माण की ठानी है। यानि, अब यहां बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा।'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम... ये एक ओर पूजन और साधन के केंद्र रहे हैं, तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने ही हमें आयुर्वेद का विज्ञान दिया। हमारे ऋषियों ने ही हमें योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है।'

केंद्र के प्रयासों से देश के सहकारी क्षेत्र को गति मिली है: शाह

शाह ने कहा कि हर व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार काम उपलब्ध कराना और देश के विकास से जोड़कर हर परिवार को समृद्ध बनाना सहकारिता आंदोलन से ही संभव है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र के प्रयासों से देश के सहकारी क्षेत्र को गति मिली है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में इसके महत्व को रेखांकित किया। पुणे में जनता सहकारी बैंक लिमिटेड के हीरक जयंती समारोह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सहकारी क्षेत्र को बाजार योग्य बनाया है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री ने पुणे में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सहकारी बैंकिंग क्षेत्र से प्रौद्योगिकी अपनाने का आग्रह किया। शाह ने कहा, पिछले तीन वर्षों में केंद्र ने देश में सहकारी आंदोलन को गति देने का काम किया है। हमने भारत के सहकारी क्षेत्र के मॉडल को बाजार के लायक बनाया है।

नेपाली छात्र ओडिशा के बच्चे हैं, वे राज्य में पूरे सम्मान के साथ पढ़ेंगे : मुख्यमंत्री माझी

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि ओडिशा में पढ़ रहे नेपाली छात्र राज्य के बच्चे ही हैं और वे पूरे सम्मान एवं गरिमा के साथ अपनी शिक्षा जारी रखेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि माझी ने नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने देउबा को आश्वासन दिया।

पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मान आम आदमी पार्टी में शामिल हुईं

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाबी अभिनेत्री और कीर्ति किसान यूनियन के नेता बलदेव सिंह की बेटी सोनिया मान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। सोनिया मान रविवार को पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम की तस्वीरें आम आदमी पार्टी के 'एक्स' हैंडल पर शेयर की गई हैं। आम आदमी पार्टी ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'आम आदमी पार्टी परिवार का बढ़ता कारवां! पंजाबी अभिनेत्री व कीर्ति किसान यूनियन के नेता स. बलदेव सिंह जी की बेटी सोनिया मान ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।' आप की पंजाब इकाई ने पार्टी के नए सदस्य का स्वागत करने के लिए एक्स का सहारा लिया, 'कीर्ति किसान यूनियन के नेता एस बलदेव सिंह जी की बेटी और पंजाबी अभिनेत्री सोनिया मान राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी में शामिल हुईं। आम आदमी पार्टी परिवार में उनका बहुत स्वागत है।' पंजाब फिल्म उद्योग के अलावा सोनिया मान ने अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है।

जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें युवा: सीएम योगी

संवाददाता

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की योजना पर मंथन करने रविवार को आगरा पहुंचे। दुनिया में अपने नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न रविवार को ताजनगरी में जुटे। होटल अमर विलास में आयोजित यूनिकॉर्न कंपनीज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें। पहले यूपी में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं। योगी ने तारीफ करते हुए कहा कि ग्रोथ इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं।

सम्पादकीय...

बजट पर भारी पड़ती मुफ्त योजनाए

केन्द्र एवं राज्य सरकार जब भी बजट पेश करती है उनके सामने आगामी चुनाव छाया की तरह नजर आता है। सरकारों को शायद अब इस बात की चिंता बिल्कुल नहीं रह गई है कि मुफ्त की योजनाएं चलाने से खजाने पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कहां से हो पाएगी। मुफ्त योजनाओं को लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी नसीहत दे चुका है और अनेक अर्थ शास्त्री मुफ्त योजनाओं को लेकर समय समय पर सावधान करते रहे हैं, पर हर सरकार चुनावी समीकरण को ध्यान में रखते हुए न केवल पहले से चल रही मुफ्त की योजनाओं को जारी रखने का प्रयास करती हैं, बल्कि कुछ नई योजनाएं भी घोषित करती देखी जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार का इस वर्ष का बजट इसका ताजा उदाहरण है। वहां पहले से विद्यार्थियों, खासकर छात्राओं को मुफ्त लैपटाप, टैबलेट, मोबाइल फोन आदि बांटने की योजना चल रही है। अब 25-26 के बजट में मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए चार सौ करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है। आठ लाख आठ हजार सात सौ छत्तीस करोड़ रुपए के इस बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 9.8 फीसद अधिक धन का प्रावधान किया गया है। मगर बजट का काफी बड़ा हिस्सा मथुरा वृंदावन और मीरजापुर जैसी जगहों पर धार्मिक गलियारों के विकास, मंदिरों के जीर्णोद्धार - पुनरुद्धार और द्रुतगामी मार्गों के लिए आबंटित किया गया है। पहले से चल रही लखपती दीदी जैसी योजनाओं का दायरा और बढ़ाने के लिए बड़ी राशि आबंटित की गई है।बजट सरकार एवं सरकारों के कामकाज का आईना होते हैं। बजट संकेत देता है कि कोई सरकार अगले एक वर्ष में क्या काम करने जा रही है और उसकी प्राथमिकता क्या होगी। जनअपेक्षा की जाती है कि सरकारें जनकल्याण और सामाजिक कल्याण के कार्यों पर अधिक खर्च करें। ऐसी योजनाओं को प्रोत्साहित करें, जिससे राज्य और देश के आर्थिक विकास को बल मिले। जबकि मुफ्त की योजनाओं का व्यापक अनुभव यही रहा है कि वे अनुत्पादक साबित होती हैं। उनसे सरकार पर वित्तीय बोझ ही बढ़ता है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकारें मुफ्त की योजनाएं चला कर लोगों को अकर्मण्य बना रही हैं। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने बजट में चार सौ करोड़ रुपए मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए आबंटित किए हैं, तो जाहिर है, उसका मकसद अगले चुनाव में लोगों को आकर्षित करने का है, इसके कोई उत्पादक नतीजे नहीं निकलने वाले। इसके बरक्स विचित्र है कि सरकार ने उच्च शैक्षिक संस्थानों और राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिए महज पचास करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। नए बन रहे महाविद्यालयों के लिए भी पचास करोड़ रुपए तय किए हैं।उत्तर प्रदेश में शिक्षा के स्तर को लेकर अनेक बार अंगुलियां उठती रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में नकल, प्रतियोगी परीक्षाओं में पचाफीड़ और अनियमितताओं आदि को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में अगर मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दे भी दी जाए, तो उनके जीवन में कितना बदलाव आ जाएगा, कहना मुश्किल है। अगर शिक्षा का स्तर सुधारने को लेकर सरकार सचमुच संजीदा होती, तो वह शैक्षिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं बेहतर बनाने, स्कूल-कालेजों में अध्यापकों के खाली पदों पर भर्ती आदि पर जोर देती।

राशिफल

मेषः- आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

वृषभः- मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुनः- आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्कः- शरीर और मन में बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंहः- आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्याः- नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफ से लाभ होगा।

तुलाः- लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिकः- शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद-विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

धनु रू बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

मकरः- आज से आपके व्यापार-धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा।

कुंभः- आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशान होंगे।

धरती पर मिनी सूरज उगाने का संकल्प

अपराजिता

ध्हाल ही में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल थर्मो न्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर), यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम मिनी सूरज बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रोजेक्ट को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ देखने गए थे। उल्लेखनीय है कि भारत भी तो इस प्रोजेक्ट का एक अहम हिस्सेदार है। हम न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहे हैं बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा हैं। दरअसल सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम मिनी सूरज बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है,जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी टोकामक बनायी जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है,जिसका इस्तेमाल परमाणु संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक प्रायोगिक डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को डोनट के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इन्सुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट आईटीईआर की शुरूआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां दुनिया के सात देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है,जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। लेकिन पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। लेकिन यदि ऐसा हो गया तो फिर हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का रेडियोएक्टिव कचरा नहीं निकलता। इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा यानी यह फ्यूजन पावर प्लांट हर समय चलता रहेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत जो एक मिनी सूरज बनाया जा रहा है,उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन

भी बनता है,जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन एनर्जी पैदा करना मुश्किल नहीं है, इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। साइट पर मौजूद वैज्ञानिकों का कहना है कि न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी लेकिन समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई मगर अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है। पहले माना जा रहा था कि प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था।

कुछ खास...

नेताओं-नौकरशाहों की जिम्मेदारी के बगैर भ्रष्टाचार को मिटाना असंभव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रहीं हैं, किन्तु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी। भारत इस सूची मे पड़ौसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं। भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है।

दर्शकों के दिलों में छावा की दस्तक

विक्की कौशल जब से फिल्म इंडस्ट्री में आए, उनमें एक बहुमुखी और संभावनाशील कलाकार की झलक देखी गई। बीते कुछ सालों में उन्होंने जितनी भी फिल्में की, वे अलग-अलग जॉनर की रही। वे टाइप्ड नहीं हुए। उन्होंने युद्ध आधारित फिल्म उरी में जो किया वह सैम बहादुर में कहीं दिखाई नहीं दिया। अब उसकी कोई झलक उनकी नई फिल्म छावा में दिखाई नहीं देती। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज की जीवनी वाली ये फिल्म हर दर्शक के दिल को छू रही है। फिल्म में विक्की कौशल ने संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने अभिनय से किरदार में जान डाल दी। यही वजह है कि इसे उनके कैरियर की शानदार फिल्मों में बताया जा रहा। विक्की की इस फिल्म को लेकर दर्शकों का क्रेज कम नहीं हो रहा। महाराष्ट्र में तो यह फिल्म शानदार कमाई कर ही रही है। फिल्म देखने के बाद लोगों के रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। कुछ लोग फिल्म देखने के बाद रो रहे हैं तो कुछ लोगों के रोंगटे खड़े हो गए।फिल्म की कहानी दिखाती है कि मुगलों के वर्चस्व को खत्म करने के लिए उनके प्रयास कितने कठिन थे। यह इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे अनदेखा किया जाता रहा। विक्की कौशल ने इस विरासत के साथ पूरा न्याय किया। क्योंकि, जब उनका किरदार विश्वासघात और हार का सामना करता है, वे पल दिल की धड़कन तेज करने वाले हैं। फिल्म में लड़ाई को इतना वास्तविक रूप दिया गया कि दर्शकों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कौशल ने सिर्फ एक किरदार ही नहीं निभाया, वे राष्ट्र की ताकत और संकल्प का प्रतीक बन गए। संभाजी महाराज के किरदार में उनका अभिनय दमदार और बहुआयामी दिखाई दिया। एक ऐसा सेनापति जिसकी मौजूदगी पूरी फिल्म में महसूस की जा सकती है। विक्की कौशल ने उस युवा का किरदार निभाया, जिसने अकेले ने मुगल साम्राज्य घुटनों पर ला दिया था। भारतीय इतिहास के गुमनाम नायक के रूप में देखे जाने वाले संभाजी का चित्रण बेहतरीन तरीके से किया गया है। न सिर्फ अभिनय बल्कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में भी छावा ने इस साल रिलीज हुई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। इस साल के शुरूआती डेढ़ महीने में अक्षय कुमार की स्काई फोर्स ने ही ठीक-ठाक कमाई कमाई की थी, पर छावा ने उसे काफी पीछे छोड़ दिया। इस साल विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने की लगता है पूरी तैयारी कर ली। छावा को सिर्फ अपने देश में ही नहीं, दुनियाभर में पसंद किया जा रहा। फिल्म ने रिलीज के शुरूआती 2 दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। ये फिल्म अब तो 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर गई। छावा में छत्रपति शिवाजी के बेटे संभाजी महाराज की कहानी दिखाई गई है कि उन्होंने कैसे औरंगजेब से जंग लड़ी थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई पर नजर रखने वाली एक एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक छावा ने भारत में चार दिन में ही 168.60 ग्रॉस कलेक्शन किया। छावा फिल्म में संभाजी महाराज के शौर्य और बलिदान की कहानी है। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा, इससे पहले भी भारतीय लीजेंड्स पर कई फिल्में बनी, जिन्हें देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हुए। छावा ने दर्शकों को मराठा इतिहास के बारे में बताया तो तानाजी रू द अनसंग वॉरियर एकदम सही फॉलोअप है। फिल्म में अजय देवगन ने बहादुर सेनापति तानाजी मालुसरे का किरदार निभाया, जिन्होंने मुगलों से कोंढाणा किले को वापस हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी भी पेशवा बाजीराव (रणवीर सिंह) और मस्तानी (दीपिका पादुकोण) के रोमांस आधारित फिल्म है। 18वीं सदी के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म के भव्य युद्ध दृश्य, विशाल सेट उस समय काल का जीवंत अनुभव कराते है। बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई का प्रियंका चोपड़ा का किरदार प्यार, वफादारी और बलिदान का प्रतीक है। अजय देवगन की फिल्म द लीजेंड ऑफ भगत सिंह भारत के सबसे ज्यादा सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों में से एक फिल्म है। यह फिल्म भगत सिंह के क्रांतिकारी आदर्शों, ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई और भारत की स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दशार्ती है। शाहरुख खान ने फिल्म अशोका में सम्राट अशोक की भूमिका निभाई। यह फिल्म अशोक के एक भयंकर योद्धा से एक दयालु शासक बनने के सफर पर आधारित है। ऐसी ही एक फिल्म मंगल पांडे है, जिसमें आमिर खान ने मुख्य भूमिका निभाई। सिपाही मंगल पांडे ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम को हवा दी थी।संजय लीला भंसाली की दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर स्टारर फिल्म पद्मावत इतिहास पर आधारित फिल्मों के मामले में एक मील का पत्थर मानी जाती है। इस फिल्म की कुल कमाई 300 करोड़ से ज्यादा थी। पद्मावत ने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर 114 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके मुकाबले छावा पहले वीकेंड में 121 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। अब विक्की कौशल की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर और भी बड़े लैंडमार्क को पार करने की तैयारी में है। अभी तक इस साल रिलीज हुई फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई अक्षय कुमार स्टार की स्काई फोर्स ने की। उसने बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इसका वीकेंड कलेक्शन 73 करोड़ था। जबकि, छावा के पहले 3 दिन का कलेक्शन स्काई फोर्स के वीकेंड कलेक्शन से तो बहुत ज्यादा है। बल्कि सोमवार की कमाई ने स्काई फोर्स के टोटल कलेक्शन को भी पार कर दिया। जो भी दर्शक छावा देखकर थिएटर से निकल रहा है, वह विक्की कौशल की तारीफ कर रहा है। कई दर्शक फिल्म देखकर संभाजी महाराज के जयकारे लगाने लगे। खास बात यह कि फिल्म में सभी एक्शन सीन विक्की कौशल ने खुद किए हैं। फिल्म के एक्शन डायरेक्टर परवेज शेख के मुताबिक विक्की कौशल ने कहा था कि सारे एक्शन सीन्स के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल न किया जाए। इनमें एक बेहद मुश्किल सीन वो था जब औरंगजेब, संभाजी महाराज को जंजीरों में बांध लेता है। इस सीन में विक्की कौशल के हाथ-पैर बंधे और वे खून में लथपथ नजर आए। परवेज के मुताबिक, उस सीन की शूटिंग में विक्की को जंजीरों से बांध दिया गया था और उन्हें 2-3 घंटों तक जंजीरों में जकड़ कर खड़े रहना पड़ा। वो शॉट दिन के साथ-साथ रात में भी फिल्माए गए थे। जो शूट किया गया था, वह बहुत मुश्किल था। इस एक्शन सीक्वेंस को फिल्माने के लिए 5-6 कैमरे और ड्रोन का इस्तेमाल किया। विक्की कौशल मशहूर एक्शन डायरेक्टर श्याम कौशल के बेटे हैं। इसलिए एक्शन की बारीकियां तो उन्हें विरासत में ही मिली होंगी। यह पहली बार है, जब विक्की कौशल ने मुश्किल एक्शन सीन किए।

अपनी शादीशुदा जिंदगी पर खुलकर बोलीं तापसी पन्नू, बताया कैसे हुई थी पहली मुलाकात

शुक्रवार को एबीपी नेटवर्क के आइडियाज ऑफ इंडिया 2025श के दौरान 37 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म उद्योग की कठोर वास्तविकताओं पर अपने विचार साझा किए। पन्नू ने कहा, आदर्शवादी बात यह है कि कड़ी मेहनत से आप वह सब कुछ हासिल कर लेंगे, लेकिन यहां (फिल्म उद्योग में) ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में हर चीज निष्पक्ष है। अगर आप उम्मीद करते हैं कि सब कुछ उचित और निष्पक्ष होगा तो ऐसा नहीं होगा।उन्होंने कहा, यह अनुचित होगा। आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलेंगी, इसलिए अपने अहंकार को किनारे रखें, अन्यथा आप निराश होंगे, साथ ही बुरी बातें सुनने के अभ्यस्त हो जाइए। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है। मैं उद्योग (फिल्म) का शिकार नहीं हूं।उन्होंने आकांक्षा रखने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सलाह दी कि यदि उनके प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उनके पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। पन्नू ने कहा, मेरे पास विकल्प बी था। मैंने इंजीनियरिंग की थी, नौकरी की थी और मैं वह कर सकती थी। मैं एमबीए करना चाहती थी, इसलिए मैंने सभी विकल्प तैयार रखे थे। अभिनेत्री ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की। वर्ष 2023 में अपने लंबे समय के साथी बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने कहा कि उन्हें अपनी शादी के बारे में प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैं उनसे बैडमिंटन कोर्ट पर मिली थी, मैं दर्शकों में थी और वह खेल रहे थे, और यह एक घरेलू लीग थी जहां मेरी उनसे मुलाकात हुई। मैंने जिस व्यक्ति से शादी की है उसे मैं दस साल से जानती थी और अब मैं उसे 11 साल से जानती हूं। पन्नू ने कहा कि बो द्वारा उन्हें प्रेम प्रस्ताव देने के नौ साल बाद उन्होंने उनसे शादी कर ली।उन्होंने कहा, मैंने कई शादियां देखी हैं जो टूट गईं या कामयाब नहीं हुईं और मैं डर गई थी। हम ऐसे पेशे में हैं जहां बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं और मैं अपनी निजी जिंदगी में उतार-चढ़ाव नहीं चाहती थी। इसलिए कई बार जांच-परख के बाद मैंने शादी कर ली। मेरी निजी जिंदगी इतनी स्थिर है कि लोग इसे उबाऊ मानते हैं।

पति संग महाकुंभ पहुंची सोनाली बेंद्रे, गंगा में लगाई डुबकी, फैंस के साथ शेयर की तस्वीरें

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ इस वक्त अपने अंतिम पड़ाव पर है। ऐसे में जोरों-शोरों से यहां लोगों का आना जाना लगा हुआ है। वहीं, बॉलीवुड सेलेब्स भी बढ़ चढ़कर महाकुंभ का हिस्सा बन रहे हैं और संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे भी महाकुंभ पहुंची हैं और वहां पहुंचकर गंगा में डुबकी लगाई। इस मौके की तस्वीरें भी सोनाली ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। सोनाली बेंद्रे ने अपने इंस्टाग्राम पर महाकुंभ से तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा-छोटे मूमेंट, बड़ी यादें। इस दौरान सोनाली बेंद्रे अपने पति के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने चेहरे पर ब्लैक शेड्स लगाए हैं और चुन्नी को लपेटा हुआ है। वह अपने करीबियों और पति के साथ बोटिंग करती दिखाई दे रही हैं। अन्य तस्वीरों में उन्होंने गंगा और मंदिर की झलकियां शेयर की हैं, जबकि कई फोटोज में वह जवानों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस के चेहरे पर मुस्कान देखते ही बन रही है। फैंस सोनाली बेंद्रे की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। काम की बात करें तो सोनाली बेंद्रे ने साल 1994 में फिल्म आग से अपने करियर की शुरूआत की थी। 1999 में आई फिल्म हम साथ साथ हैं में उन्होंने अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म में सोनाली बेंद्रे सलमान खान के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस करते नजर आए थे। सोनाली बेंद्रे ने अपने करियर में कई हिट फिल्में भी दी हैं।

जन्नत से कम नहीं है भारत का यह गांव, शहर की चकाचौंध से दूर बिता सकते हैं सुकून के पल

क्या आप भी रोजमर्रा की भागदौड़ से थक चुके हैं और किसी ऐसी जगह जाना चाहते हैं जहां सुकून ही सुकून हो? एक ऐसी जगह, जहां हरियाली आपका स्वागत करे, जहां हवा की हर सांस आपको ताजगी का अहसास कराए और जहां का शांत वातावरण आपकी आत्मा को भी शांति दे? अगर हां, तो सरोधा-दादर गांव आपके लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। छत्तीसगढ़ का यह खूबसूरत गांव अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांति और आकर्षक नजारों के लिए मशहूर है। यहां आकर आपको ऐसा लगेगा जैसे समय की रफ्तार थम गई हो और आप प्रकृति की गोद में चैन की नींद सो सकते हैं।

हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का खजाना

सरोधा-दादर गांव चारों तरफ से घने जंगलों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां की ठंडी और शुद्ध हवा मन को तरोताजा कर देती है। पक्षियों की चहचहाहट और बहते पानी की धारा की आवाज इस जगह को और भी खूबसूरत बना देती है। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो यहां आकर आपको ऐसा लगेगा जैसे आप किसी परीलोक में आ गए हों।

शहर की भीड़-भाड़ से दूर शांति का एहसास

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी को एक सुकून भरी जगह की तलाश होती है, जहां कुछ पल खुद के साथ बिताए जा सकें। सरोधा-दादर गांव ऐसी ही एक जगह है, जहां मोबाइल नेटवर्क भी कम आता है, जिससे आप बिना किसी रुकावट के खुद को प्रकृति के करीब महसूस कर सकते हैं।

पर्यटन और घूमने के बेहतरीन अवसर

यह गांव केवल सुंदरता ही नहीं, बल्कि एडवेंचर और घूमने के लिए भी बेहतरीन जगह है।

आसपास के जंगलों में ट्रेकिंग कर सकते हैं, झरनों का आनंद ले सकते हैं और लोकल गांववालों से मिलकर उनकी संस्कृति को समझ सकते हैं। अगर आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो यहां की सुंदरता आपके कैमरे में कैद करने लायक होगी।

स्थानीय संस्कृति और भोजन का स्वाद

सरोधा-दादर गांव में रहने वाले लोग बहुत ही मिलनसार और मेहमाननवाज हैं। यहां का देसी खाना, विशेष रूप से महुआ और चावल से बनी डिशेज, आपके स्वाद को एक नया अनुभव देंगे। गांव की सादगी और स्थानीय परंपराएं आपको एक अलग ही दुनिया का अनुभव कराएंगी।

कैसे पहुंचे सरोधा-दादर गांव?

यह खूबसूरत गांव छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए आप रायपुर से बस, टैक्सी या अपने निजी वाहन से आ सकते हैं। रायपुर से इस गांव तक लगभग 150 किमी की दूरी है, जिसे आप सड़क मार्ग से कवर कर सकते हैं। अगर आप ट्रेन से आना चाहते हैं, तो रायपुर रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी प्रमुख स्टेशन है, जहां से बस या टैक्सी लेकर गांव तक पहुंचा जा सकता है। बता दें, साल 2023 में इस गांव को सर्वश्रेष्ठ ग्राम पुरस्कार भी मिल चुका है।

क्यों आएं सरोधा-दादर?

अगर आप शहरी जिंदगी की भागदौड़ से ऊब चुके हैं और कुछ समय शांति में बिताना चाहते हैं, तो सरोधा-दादर गांव आपके लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक हो सकता है। यहां आकर आपको प्रकृति के सबसे सुंदर और सुकून भरे पल बिताने का मौका मिलेगा।

घर पर बनाएं महाराष्ट्र का फेमस कांदा पोहा, नोट करें झटपट तैयार होने वाली सिंपल रेसिपी

अगर आप झटपट बनने वाले किसी टेस्टी और हेल्दी ब्रेकफास्ट की तलाश में हैं, तो महाराष्ट्र का फेमस कांदा पोहा आपके लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है। हल्का, पौष्टिक और स्वाद से भरपूर लाजवाब- ये डिश न सिर्फ महाराष्ट्र में, बल्कि पूरे भारत में पसंद की जाती है। कांदा पोहा का मतलब होता है प्याज के साथ बना हुआ पोहा, जिसे हल्के मसालों और मूंगफली के क्रंच के साथ परोसा जाता है। सुबह के नाश्ते में हो, शाम की चाय के साथ या अचानक आए मेहमानों के लिए, यह झटपट बनने वाली रेसिपी हर बार सुपरहिट रहती है। तो आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान और सिंपल रेसिपी।

कांदा पोहा बनाने के लिए सामग्री (2-3 लोगों के लिए)

2 कप पोहा (मोटा वाला)

1 बड़ा प्याज (बारीक कटा हुआ)

1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)

8-10 कढ़ी पत्ते

1/2 कप मूंगफली

1 छोटा चम्मच राई (सरसों के बीज)

1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर

1/2 छोटा चम्मच नमक (स्वादानुसार)

1 छोटा चम्मच चीनी (वैकल्पिक)

1 छोटा चम्मच नींबू का रस

2 बड़े चम्मच तेल

2 बड़े चम्मच हरा धनिया (गार्निश के लिए)

1 बड़ा चम्मच अनार के दाने (गार्निश के लिए - ऑप्शनल)

झटपट बनने वाली कांदा पोहा रेसिपी

सबसे पहले पोहे को एक छलनी में डालें और हल्के हाथों से पानी से धो लें।

इसे ज्यादा देर पानी में ना भिगोएं, नहीं तो पोहा गीला और चिपचिपा हो जाएगा।

धोने के बाद पोहे को 5 मिनट के लिए अलग रख दें ताकि यह नरम हो जाए।

अब एक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें।

उसमें मूंगफली डालकर हल्का ब्राउन होने तक भून लें और अलग निकाल लें।

अब उसी तेल में राई (सरसों के बीज), करी पत्ते और हरी मिर्च डालकर तड़कने दें।

फिर इसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालें और हल्का गुलाबी होने तक भूनें।

इसके बाद हल्दी पाउडर, नमक और चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं।

अब इसमें भिगोया हुआ पोहा डालें और धीमी आंच पर अच्छे से मिलाएं।

ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डालें और नींबू का रस डालकर मिक्स करें।

इसे 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें, जिससे सारे फ्लेवर्स अच्छे से मिक्स हो जाएं।

तैयार पोहे को हरा धनिया और अनार के दानों से गार्निश करें।

इसे गरमा-गरम नींबू और धनिया पत्ती के साथ सर्व करें।

कांदा पोहा को और भी टेस्टी बनाएंगे ये टिप्स

मोटी किस्म का पोहा ही इस्तेमाल करें, पतला पोहा जल्दी गल जाता है।

चीनी और नींबू का रस एक साथ डालने से पोहे का स्वाद बैलेंस हो जाता है। मूंगफली को पहले ही भून लें, इससे उसका स्वाद ज्यादा अच्छा आता है। इसे दही, चाय या कटे हुए टमाटर के साथ भी सर्व कर सकते हैं।

स्पेशल टिप्स

इसे महाराष्ट्रियन स्टाइल में परोसने के लिए ऊपर से सेव डालें।

अगर आपको तीखा पसंद है, तो हरी मिर्च की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

इसे और हेल्दी बनाने के लिए हरी मटर या गाजर भी डाल सकते हैं।

हिप्स पर जमा चर्बी को पिघला देंगे 5 योगासन

नहीं होगी अपनी पसंदीदा जीन्स पहनने में कोई दिक्कत

हिप्स पर जमा चर्बी कई लोगों के लिए एक बड़ी समस्या हो सकती है। यह न केवल शरीर के आकार को प्रभावित करता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकती है। हिप्स पर जमा चर्बी को कम करने के लिए योग एक प्रभावी तरीका है। योग न केवल शरीर को लचीला बनाता है, बल्कि चर्बी को कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है। यहां हिप्स पर जमा चर्बी को कम करने के लिए 5 योगासन दिए गए हैं।

भुजंगासन

भुजंगासन हिप्स और पेट की चर्बी को कम करने के लिए एक परफेक्ट आसन है। यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और हिप्स को टोन करता है।

कैसे करें?

पेट के बल लेट जाएं और पैरों को सीधा रखें।

हाथों को कंधों के नीचे रखें और सांस लेते हुए छाती को ऊपर उठाएं।

कमर को मोड़ें और सिर को पीछे की ओर झुकाएं।

15-30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर सांस छोड़ते हुए वापस आएं।

सेतु बंधासन

सेतु बंधासन हिप्स, जांघों और पेट की चर्बी को कम करने में मदद करता है। यह आसन हिप्स को टोन करने और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भी फायदेमंद है।

कैसे करें?

पीठ के बल लेट जाएं और घुटनों को मोड़ें।

हाथों को शरीर के बगल में रखें और पैरों को जमीन पर सपाट रखें।

सांस लेते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं और छाती को ऊपर की ओर धकेलें।

30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर सांस छोड़ते हुए वापस आएं।

अधोमुख श्वानासन

अधोमुख श्वानासन पूरे शरीर को स्ट्रेच करने और हिप्स की चर्बी को कम करने में मदद करता है। यह आसन हिप्स को टोन करने और पैरों को मजबूत करने के लिए भी फायदेमंद है।

कैसे करें?

हाथों और घुटनों के बल आएं और हाथों को कंधों की चौड़ाई में रखें।

सांस लेते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं और शरीर को एक उल्टे 'श' आकार में ले आएं।

सिर को नीचे की ओर झुकाएं और पैरों को सीधा रखें।

30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर सांस छोड़ते हुए वापस आएं।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन हिप्स और जांघों की चर्बी को कम करने में मदद करता है। यह आसन हिप्स को टोन करने और पैरों को मजबूत करने के लिए भी फायदेमंद है।

कैसे करें?

सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को चौड़ा करें।

सेमीफाइनल के लिए कदम बढ़ाने उतरेगा न्यूजीलैंड, एक और हार बांग्लादेश के रास्ते कर सकती है बंद

न्यूजीलैंड की टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान को 60 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इस बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। पहले मैच में पाकिस्तान को मात देने वाली न्यूजीलैंड की टीम का सामना ग्रुप ए के मुकाबले में सोमवार को बांग्लादेश से होगा। भारत ने बांग्लादेश को पिछले मैच में हराया था। न्यूजीलैंड अगर बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही तो सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ा लेगी, जबकि बांग्लादेश का सफर लगभग ग्रुप चरण में ही थम जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान को 60 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इस बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा। दूसरी तरफ बांग्लादेश को अपने पहले मैच में भारत के हाथों छह विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसका नेट रन रेट भी खराब है और उसे सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड ने पहले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया था। पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज खेलने से उसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में मदद मिली। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले उसे अपनी अंतिम एकादश का चयन करने के लिए थोड़ा माथापच्ची करनी होगी क्योंकि रचिन रवींद्र सिर की चोट से उबरकर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी अनुपस्थिति में डेवोन कॉनवे और विल यंग ने पारी की शुरूआत की थी। यंग को उनके लिए जगह बनानी थी लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह पक्की कर ली। यंग ने स्पिन गेंदबाजों का डटकर सामना करने की अपनी काबिलियत का लगातार सबूत पेश किया है। इसके अलावा उन्हें बाहर करने से शीर्ष क्रम में दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन भी गड़बड़ा जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर न्यूजीलैंड रचिन को अंतिम एकादश में शामिल करता है तो उनके लिए किस खिलाड़ी को बाहर जाना पड़ेगा। इसके अलावा न्यूजीलैंड की टीम में किसी तरह का कोई मसला नहीं है। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसके सामने अब बड़ी चुनौती है। भारत के खिलाफ पहले मैच में तीनों विभाग में उसकी कमजोरी खुलकर सामने आई थी। उसकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए जल्द से जल्द संगठित होना पड़ेगा। बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा, क्योंकि पिछले मैच में उसकी बल्लेबाजी का संघर्ष स्पष्ट नजर आ रहा था। अगर जाकर अली और तौहीद हृदोय के बीच छठे विकेट के लिए 154 रन की साझेदारी नहीं होती, तो बांग्लादेश को 100 रन तक पहुंचने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता। बांग्लादेश के गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है जबकि फील्डिंग में भी उसे काफी सुधार करना पड़ेगा।

न्यूजीलैंडः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विलियम ओ रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी। बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, तंजीद, हसन, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, एमडी महमूद उल्लाह, जाकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

सिद्धू ने बताया टीम इंडिया में 5 स्पिनर के होने का कारण, कहा- भारत-पाकिस्तान मैच की कोई तुलना नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को महामुकाबला खेला जाना है। इस मैच को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले

ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें शाहिद अफरीदी, युवराज सिंह, इंजमाम उल हक और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे दिग्गज शामिल हुए। इस दौरान सिद्धू ने भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले को सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता बताया। साथ ही उन्होंने टीम इंडिया में पांच स्पिनर्स होने का कारण भी बताया। सिद्धू ने कार्यक्रम के दौरान कहा, 'भारत-पाकिस्तान मुकाबला अन्य सभी प्रतिद्वंद्विताओं पर भारी है। इससे बड़ा कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि यह तनाव है जो सभी भारतीयों को एक साथ जोड़ता है। जब करोड़ों भारतीय आपसे जीत की उम्मीद करते हैं, तो वे कभी हार नहीं सकते। प्रतिशोध की संस्कृति है। यह खेल हाथों के बजाय कानों के बीच अधिक खेला जाता है।

हम नया अध्याय लिखेंगे: हार्दिक पांड्या

• भारत ने इस टूनार्मेंट में अपने अभियान की शुरूआत बांग्लादेश पर जीत के साथ की है। वहीं, गत चैंपियन पाकिस्तान को पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी और उनका आत्मविश्वास डगमगाया हुआ होगा। पाकिस्तान अगर यह मुकाबला हार गई तो उसके लिए आगे की राह चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जबकि भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के करीब पहुंच जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले का स्टेज सज चुका है। दोपहर 2:30 बजे से दोनों टीमों के बीच जंग का आगाज हो जाएगा। इससे पहले टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने विपक्षी टीम को खुली चुनौती दे दी है। उन्होंने कहा है कि भारतीय टीम एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है। भारत ने इस टूनार्मेंट में अपने अभियान की शुरूआत बांग्लादेश पर जीत के साथ की है। वहीं, गत चैंपियन पाकिस्तान को पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी और उनका आत्मविश्वास डगमगाया हुआ होगा। पाकिस्तान अगर यह मुकाबला हार गई तो उसके लिए आगे की राह चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जबकि भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के करीब पहुंच जाएगा। महामुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा- आज हम फिर से नई शुरूआत करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। हम एक और दिन में एक और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए उतरेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है। भारत का पिछले कुछ समय से आईसीसी टूनार्मेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि टीम इंडिया ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और अब उसके पास छह महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने का मौका रहेगा। भारतीय टीम पिछली बार विजेता बनने से चूक गई थी और उसे फाइनल में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था।

> **आज हम फिर से नई शुरुआत के लिए मैदान पर उतरेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है।**
>
> *हार्दिक पांड्या*
> *भारतीय ऑलराउंडर*

भारत ने आखिरी बार 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और अब 12 साल बाद टीम की नजरें एक बार फिर इस खिताब को अपने नाम करने पर टिकी होंगी। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या ने कहा कि उनकी टीम एक बार फिर चैंपियन बनने के लिए तैयार है।

वनडे में लगातार 12वां टॉस हारा भारत; बनाया अनचाहा रिकॉर्ड, नीदरलैंड को पछाड़ा

• भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 12वां टॉस गंवाया है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है।

एजेंसी

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला जारी है। ग्रुप-ए का यह मुकाबला दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यह लगातार पांचवीं बार रहा जब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉस हारे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीनों मैचों में भी टॉस गंवाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में भी यह सिलसिला जारी रहा। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। भारत ने 3-0 से इंग्लैंड का सूपड़ा साफ किया था। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-ए का अपना पहला मुकाबला भी जीता था। भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 12वां टॉस गंवाया है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है। इस दौरान भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में टॉस गंवा चुकी है। इस दौरान भारत ने पिछले 11 वनडे मैचों में से छह जीते हैं, जबकि चार में हार मिली है। एक मैच टाई रहा है। वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने के मामले में भारत ने नीदरलैंड को पीछे छोड़ दिया। भारत अब इस अनचाहे रिकॉर्ड में सबसे आगे है। नीदरलैंड की टीम मार्च 2011 से लेकर अगस्त 2013 तक लगातार 11 वनडे में टॉस हारी थी।

महामुकाबले से पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच ने जताया तेज गेंदबाजों की तिकड़ी पर भरोसा, कही ये बात

(एजेंसी) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी का पांचवां मुकाबला आज भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। ग्रुप ए के महामुकाबले से पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद ने उम्मीद जताई है कि पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों की तिकड़ी शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ कुछ खास कर दिखाएंगे।भारत का आईसीसी टूनार्मेंटों में पाकिस्तान पर हमेशा दबदबा रहा है और दोनों के बीच मुकाबलों को लेकर काफी हाइप रहती है। रविवार को खेले जाने वाले मैच में फखर जमां नहीं खेल सकेंगे। उनका बाहर होना पाकिस्तान की टीम के लिए चिंता का सबब बन सकता है। हालांकि, टीम के मुख्य कोच आकिब जावेद ने उम्मीद जताई है कि उनकी टीम के बाकी खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे। भारत बनाम पाकिस्तान मैच की पूर्व संध्या पर जावेद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- फखर का बाहर होना बड़ा नुकसान है। वह मैच विनर है लेकिन हमें बाकी खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

संक्षिप्त सामाचार

राजधानी में बूथ स्तर तक सुनी गई मन की बात,कई बड़े नेताओं ने की शिरकत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 119वें संस्करण को पूरे जोश और उत्साह के साथ सुना गया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने लखनऊ की मध्य विधानसभा के हलवासिया कोर्ट, बूथ संख्या 234 पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठकर इस कार्यक्रम को सुना। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, रजनीश गुप्ता, प्रवीण गर्ग, सुधीर हलवासिया और सुविद प्रवीण कंचन भी मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि लखनऊ में कई बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को कार्यकताओं ने ध्यानपूर्वक सुना। इसमें कई प्रमुख नेता शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक बूथ संख्या 327 (एस.टी.पी., बड़ी लाल कुर्ती, मंडल कैंट 4) पर कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक पंकज सिंह विधायक ओपी श्रीवास्तव के साथ पूर्व विधानसभा सुगमऊ प्राथमिक विद्यालय, बूथ संख्या 54 पर पहुंचे। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह चिनहट बाजार पार्षद कार्यालय, बूथ संख्या 362 पर कार्यक्रम में शामिल हुए। सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा उत्तर मंडल, बूथ संख्या 281 पर कार्यकताओं के साथ मन की बात सुनी। महापौर सुषमा खर्कवाल अपने कैंप कार्यालय में मन की बात सुनते हुए कार्यकताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के विचारों को सुनने के लिए कार्यकताओं और पदाधिकारियों में जबरदस्त उत्साह दिखा। मन की बात को बूथ स्तर तक ले जाने का उद्देश्य कार्यकताओं को जोड़ना और प्रधानमंत्री के विचारों से जनता को अवगत कराना है।

मिनी ट्रक गन्ने की दुकान में घुसा, व्यक्ति हुआ घायल

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। वृंदावन योजना के विशिष्ट पार्क के पास एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक बेकाबू होकर गन्ने की दुकान पर पलट गया। हादसे में दुकान में सो रहे दुकानदार कासिम को गंभीर चोट आई है। कासिम केसरगंज बहराइच का रहने वाला है। सुबह टहलने निकले लोगों ने इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल कासिम को एपेक्स ट्रामा सेंटर टू में भर्ती कराया। वर्तमान में उनका इलाज जारी है।

बेकाबू जीप ने 5 गाड़ियों को मारी टक्कर सड़क पर पड़ी रहीं महिलाएं, 6 घायल

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हुसैन गंज में बेकाबू जीप ने रतन स्क्वायर के पास रिक्शा, एक्टिवा और एक कार समेत 5 गाड़ियों को टक्कर मारते हुए कई लोगों को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जीप की चपेट में आने से तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत छह लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। आरोपी ड्राइवर को भीड़ ने घेर लिया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने बीच-बचाव कर उसे पास के मारुति सुजुकी शोरूम में बैठा दिया। जीप यूपी 32 केडब्लयू 0521 से हादसा हुआ है। गाड़ी सुजीत कुमार गुप्ता के नाम पर है। सिविल के डॉक्टर के अनुसार चार घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया। जिन्हें मामूली चोटे आई थी दो गंभीर घायलों का इलाज चल रहा है। घायल जितेंद्र (25 वर्ष) ने बताया कि वह अपने रिक्शा से सवारी उतारकर उनसे किराया ले रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया। घायल अंशु पटेल छात्रा (21 वर्ष), जो सिविल सेवा की तैयारी कर रही है। हादसे के वक्त ई-रिक्शा से कोचिंग जा रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जीप में ड्राइवर समेत पांच लोग सवार थे। वह किसी शादी से लौट रहे थे। उनके हाव-भाव और कपड़ों से ऐसा ही लग रहा था कि सभी नशे में धुत थे। आधे घंटे बाद हुसैनगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। हादसे में शामिल जीप को भी जब्त किया गया है। फिलहाल, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद 2 महिलाएं 20 मिनट तक सड़क पर ही पड़ी रहीं।

8वें वेतन आयोग के गठन के लिए रक्षामंत्री से मुलाकात

लखनऊ(संवाददाता)। इंडियन पब्लिक सर्विस एम्प्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में उपमहासचिव अतुल मिश्रा, उपाध्यक्ष सुरेश रावत, अजय वीर यादव, बाबूलाल शर्मा (दिल्ली), शाह फैयाज (जम्मू), एवं विधि सलाहकार ऋषभ तिवारी उपस्थित थे। वीपी मिश्र ने आठवें वेतन आयोग के गठन, आयकर सीमा में 12 लाख तक छूट देने, सेवानिवृत्ति पर 50: पेंशन देने एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आग्रह किया कि 25 वर्ष की बजाय 20 वर्ष की सेवा पर पूरी पेंशन देने और जीपीएफ बहाल करने की मांग पूरी की जाए। उन्होंने बताया कि भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष होने के कारण कई कर्मचारी 20 वर्ष की सेवा पर सेवानिवृत्त होते हैं, इसलिए उन्हें पूर्व की भांति पूरी पेंशन दी जानी चाहिए।

महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालुओं का पहुंचना सदी की एक दुर्लभतम घटना: योगी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं और एक निश्चित

कालखंड के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है।

आगरा में यूनिकॉर्न कंपनीज कॉन्क्लेव (यूनिकॉर्न कंपनियों का सम्मेलन) में मुख्यमंत्री योगी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, मैं इसे स्टार्टअप की दुनिया का यूनिकॉर्न महाकुंभ कह सकता हूं। इस समय महाकुंभ के प्रति आकर्षण है। सीएम योगी ने कहा, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है। आज जब मैं ब्रज भूमि में आया हूं जिसके पीछे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है। लंबे काल खंड से इसने भारत की सभ्यता और संस्कृति को प्रभावित किया है। योगी ने कहा कि कल ही प्रयागराज से आया और आज इस कॉन्क्लेव के बाद मुझे पुनः प्रयागराज पहुंचना है। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में इस बार आने वाले श्रद्धालुओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दुनिया के अंदर किसी भी आयोजन (चाहे वह आध्यात्म से जुड़ा हो या किसी भी तरह के पर्यटन से संबंधित हो) में एक निश्चित कालखंड के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना और उस आयोजन के साथ एकजुट होना, अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि उप्र में उनकी सरकार को इसे आयोजित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कुंभ की बात करते हैं तो कुंभ का इतिहास हमें इस बात पर सोचने के लिए मजबूर करता है कि भारत में प्राचीन काल से इस तरह के आयोजन की व्यवस्था थी। इसमें उप्र के प्रयागराज, उत्तराखंड के हरिद्वार, मध्यप्रदेश के उज्जैन और महाराष्ट्र के नासिक (त्र्यंबकेश्वर) समेत चार पवित्र स्थानों पर कुंभ का आयोजन होता है। इसकी पृष्ठभूमि में जाते हुए योगी ने कहा कि यह सोचा गया होगा कि जब एक समय ऐसा भी आएगा कि भारत का व्यक्ति अपनी परंपरा और अपनी संस्कृति से कटा हुआ महसूस करेगा तो उन्हें जोड़ने का कुंभ माध्यम बनेगा।

क्या वन ट्रिलियन डॉलर में अमेरिका से आया 21 मिलियन डॉलर भी जुड़ा है: अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने वर्ष

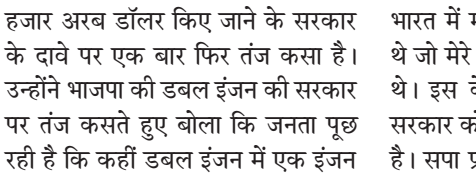

2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किए जाने के सरकार के दावे पर एक बार फिर तंज कसा है। उन्होंने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर तंज कसते हुए बोला कि जनता पूछ रही है कि कहीं डबल इंजन में एक इंजन विदेशी तो नहीं? उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर ये तंज कसा है। इसमें उन्होंने अमेरिका से मिले 21 मिलियन डॉलर के बारे में भी सवाल किए है। दरअसल, अमेरिकी संस्था यूएसएड की फंडिंग को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से भारत में शुरू हुआ बवाल थमा भी नहीं है कि ट्रम्प ने एक और बयान दे दिया। पहले उन्होंने कहा था कि अमेरिका से मिले 21 मिलियन डॉलर का मकसद किसी और को चुनाव जिताना था। उनके इस बयान पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि यह बयान बेहद परेशान करने वाला है। लेकिन अब (शुक्रवार 21 फरवरी को) ट्रंप ने इस मामले पर ताजा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 21 मिलियन डॉलर भारत में मतदान बढ़ाने के लिए दिए गए थे जो मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को मिले थे। इस के बाद सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तंज कसा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, जनता पूछ रही है कि भाजपा ट्रिलियन-ट्रिलियन डॉलर का जो राग अलाप रही है, उसमें अमेरिका से आया 21 मिलियन डॉलर भी जुड़ा है क्या? जनता ये भी पूछ रही है कि कहीं डबल इंजन में एक इंजन विदेशी तो नहीं है? इसमें उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का वीडियो भी शेयर किया है।

चित्रकला से छात्राओं ने दिया कैंसर फ्री इंडिया का संदेश

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा भ्च्ट वैक्सीन और कैंसर जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न डिग्री कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को ए.पी. सेन मेमोरियल डिग्री कॉलेज में छात्राओं के साथ

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मयंक मोहन ने छात्राओं को स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय बताए। संस्था की संस्थापिका डॉ. सुमेदा त्रिवेदी (नीलू) ने स्तन कैंसर से बचाव के लिए एलओ-परीक्षण के टिप्स दिए और 9 से 28 वर्ष की किशोरियों के लिए एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि संस्था जल्द ही आर्थिक रूप से कमजोर बच्चियों को अपने निजी खर्चे पर एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध कराने का संकल्प पूरा करेगी। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 67 छात्राओं ने भाग लिया। वैष्णवी कश्यप ने पहला, अंजलि पटेल ने दूसरा और स्नेहा गुप्ता ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सही जवाब देने वाली छात्राओं तान्या, अलका नागर, साक्षी तिवारी, मानसी, श्रष्टि, मोनी, यशवी, अरीबा, अपर्णा, तनु, कृपा, शिफा, अंकिता और आफरीन को प्रशंसा प्रमाण पत्र और उच्च गुणवत्ता वाले सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।

मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी द्वारा फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया

लखनऊ(संवाददाता)। मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी इंदिरा नगर लखनऊ की और से 23 फरवरी 2025 दिन इलवार को लवकुश नगर इंदिरा नगर लखनऊ में पिछले साल की तरह इस साल भी एक मुफ्त मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें आस पास के पुरुष महिलाओं और बच्चों को मुफ्त जांच के साथ-साथ मुफ्त दवाएं भी दी गई। कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम शरीक हुई। जिसमें डॉक्टर एम, के, अंसारी (एम०बी०वी०एस, एमडी मेडिसिन, न्यूरो फिजिशियन) . डॉक्टर आई. अहमद (एम०बी०बी०एस० एमडी, कार्डियोलॉजिस्ट, डाइबिटीज), डॉक्टर आजम हनफी (कान, नाक, गला), डॉक्टर शाजी सिद्दीकी (एम०बी०बी०एस एम०एस गाइनेकोलॉजिस्ट), डॉक्टर मोहम्मद मुजफ्फर मुजाहिद (डी०एन०वीध हड्ध्डी रोग) डॉक्टर नाजिश बानो बी०यू०एम०एस महिला एवं बच्चा रोग), डॉक्टर मोहम्मद तारिक (बी०यू०एम०एस. एम०डी०) डॉक्टर सईदुर रहमान बी०यू०एम०एस एम०डी०), डॉक्टर मोहम्मद अफजाल फिजियोथेरेपिस्ट), डॉक्टर मोहम्मद बिलाल खान, डो गजाली अनम और पैयोलोजिस्ट रंजन कुमार अपनी टीम के साथ शामिल हुए। कैंप सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 तक चला।

राजधानी में देश के 300 बॉडी बिल्डर्स का महा-मुकाबला

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन कप का आयोजन किया गया है। इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन द्वारा आयोजित ये 14 वां फेडरेशन कप है। नेशनल स्तर पर आयोजित फेडरेशन कप में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, मुंबई समेत विभिन्न राज्यों के एथलीट्स और बॉडी बिल्डिंग चैंपियंस हिस्सा ले रहे हैं। इसमें देश के पुरुष और महिला बॉडी बिल्डर्स, एथलीट मंच पर अपनी बॉडी और शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। फेडरेशन कप में देश भर के 300 से अधिक एथलीट के बीच में महामुकाबला है। इस मुकाबले को जीतने वाले बॉडी बिल्डर को 10 लख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

कवि साहित्यकार एवं आकाशवाणी में कार्यरत जुगनी भाई की श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। आज दिनांक 23-02-25 का आयोजन किया गया जिसमे शहर के कवि , साहित्यकार पत्रकार और बाहर के वरिष्ठ लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर जुगानी भाई के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपना विचार व्यक्त किया जिसमें रविन्द्र मोहन त्रिपाठी, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, राजीव कुमार तिवारी, जय सिंह, शक्ति शंकर सिंह, सुशील कुमार सिंह, सुनील कुमार पांडे, सुनील मणि त्रिपाठी,आदर्श सिंह,महेश श्रीवास्तव,रंजीत कुमार तिवारी, विशाल सिंह, बीपी मिश्रा, के के त्रिपाठी, रामेश्वर मिश्रा आदि लोग शामिल हुए।

को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मॉडर्न हेरिटेज एकेडमी कृष्णा नगर प्राइवेट कॉलोनी बशारतपुर गोरखपुर में श्रद्धेय स्व रविन्द्र श्रीवास्तव जुगानी भाई की श्रद्धांजलि सभा

ऑल इण्डिया उर्स कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह 25 को

देश की एकता और भाईचारे की स्थापना के लिए ऑल इण्डिया उर्स कमेटी कर रही काम

संवाददाता

गोरखपुर। ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के सदस्यों और पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 25 फरवरी दिन मंगलवार को सायं 6:30 से सिधारीपुर स्थित शहीद अब्दुल्लाह नगर में आयोजित किया गया है।

यह जानकारी कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अली खान, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी खुर्शीद आलम, जिलाध्यक्ष महमूद अहमद अंसारी एवं महानगर अध्यक्ष मुहम्मद शमीम ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान, फख -ए- गोरखपुर एवं सामाजिक योद्धा अवार्ड प्राप्त पत्रकार मुर्तजा हुसैन रहमानी और राष्ट्रीय महासचिव असरार आलम होंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि देश की एकता और भाईचारे की स्थापना के लिए ऑल इण्डिया उर्स कमेटी काम कर रही है। ऐसे में कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह अपने आप में लोगों के लिए एक अनुठा साबित होगा। कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अली खान, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी खुर्शीद आलम, जिलाध्यक्ष महमूद अहमद अंसारी एवं महानगर अध्यक्ष मुहम्मद शमीम ने सभी से आग्रह किया है कि समयानुसार शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सभी का हौसला अफजाई करें।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की गोरखपुर इकाई की आवश्यक बैठक सम्पन्न

संवाददाता

गोरखपुर। रविवार मॉडर्न हेरिटेज एकेडमी कृष्णा नगर प्राइवेट कॉलोनी बशारतपुर गोरखपुर में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद इकाई गोरखपुर की एक आवश्यक बैठक माननीय प्रभारी श्री बीपी मिश्रा तथा जिला अध्यक्ष पंडित रामकृष्ण शरण मणि त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में एक आवश्यक बैठक संपादित की गई। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिवार के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए बीपी मिश्रा ने बताया कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए मासिक भत्ता टोटल टैक्स माफ , निःशुल्क शिक्षा तथा चिकित्सा के लिए एक पत्रक शीघ्र ही मुख्यमंत्री को दिया जाएगा।

राजनीतिक लाभ के लिए सनातन विरोधी बन गए हैं कुछ दलों के नेता

संवाददाता

गोरखपुर। सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने कहा कि महाकुंभ

सनातन की अनादिकाल से चली आ रही परंपरा है। कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए अनादिकाल से जारी इस परंपरा के विरोधी बन गए हैं। सनातन का तिरस्कार राष्ट्र और महाकुंभ में आए 60 करोड़ लोगों की भावना का तिरस्कार है। ऐसा करने वालों की राजनीति के ज्यादा दिन शेष नहीं हैं। राजनीतिक कारणों से महाकुंभ का तिरस्कार गहरी कुंठा का प्रतीक है। महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय की ओर से महाकुंभ 2025 : परंपरा, अनुष्ठान और महत्ता विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।आचार्य ने कहा कि राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण महाकुंभ का तिरस्कार करने वालों के लिए आत्म समीक्षा का समय है। ऐसे लोग राजनीति पर, अपनी सीटों पर विमर्श करें तो बेहतर होगा। महाकुंभ पर विमर्श उनके सामर्थ्य का विषय नहीं है। पहले भी राजनेता महाकुंभ में आते थे, स्नान करते थे पर फोटो नहीं डालते थे।

होली पर धंधेबाजों की तैयारी...गोरखपुर में 10 क्विंटल पकड़ा गया खोवा- व्यापारी 'लापता'

• खोवा को छह लोगों के नाम से मंगाया गया था, जिसमें से दोपहर बाद केवल एक व्यक्ति खाद्य सुरक्षा विभाग के ऑफिस पहुंचा और अपना चार गत्ता माल ले गया। शेष माल विभाग के दफ्तर में रखा है। सोमवार तक कोई दावेदार नहीं आया तो सैंपल लेकर सारा माल नष्ट कराया जाएगा।

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में होली को लेकर धंधेबाजों ने भी तैयारी शुरू कर दी है। पहले ही बड़े पैमाने पर कानपुर की

मंडी से खोवा मंगाया जाने लगा है। शनिवार सुबह करीब छह बजे रेलवे बस स्टेशन के सामने अलग-अलग बसों से 14 बोरा खोवा उतारा गया, जिनका वजन लगभग 10 क्विंटल है। इसे छह लोगों के नाम से मंगाया गया था, जिसमें से दोपहर बाद केवल एक व्यक्ति खाद्य सुरक्षा विभाग के ऑफिस पहुंचा और अपना चार गत्ता माल ले गया। शेष माल विभाग के दफ्तर में रखा है। सोमवार तक कोई दावेदार नहीं आया तो सैंपल लेकर सारा माल नष्ट कराया जाएगा। गोरखपुर समेत आसपास के जिलों में कानपुर से खोवा की बड़ी खेप आती है। इसमें असली के साथ ही मिलावटी खोवा भी होता है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम शनिवार सुबह करीब पांच बजे खोवा की तलाश में बस स्टेशन पहुंच गई। वहां पहुंच रही कानपुर की बसों से सड़क के किनारे बोरे उतारे गए, जिन्हें दो ई-रिक्शा चालक एकत्रित कर रहे थे। टीम पहुंची तो रिक्शा चालकों ने बताया कि हर दिन वे यह माल अपनी गाड़ी में लोड कर लेते हैं। व्यापारी पहुंचते हैं और उसे अपने पते पर पहुंचाने के लिए पैसे दे देते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दो ई-रिक्शा में लदा सारा माल वहां से खाद्य सुरक्षा विभाग के दफ्तर भिजवा दिया और माल पकड़े जाने की सूचना खोवा मंडी और अन्य व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों को दी। दोपहर बाद दफ्तर पहुंचे एक व्यापारी ने बताया कि इसमें से एक बोरे में रखा केवल चार गत्ता माल उनका है, जिसमें से नमूना लेकर चारों गत्ता उन्हें सुपुर्द कर दिया गया। शेष माल अभी भी गोदाम में रखा है। खाद्य सुरक्षा विभाग को खबर लगी थी कि खोवा मंडी में भोर में कहीं से पनीर की बड़ी खेप आने वाली है। तलाश में टीम मंडी पहुंची थी, लेकिन वहां कोई सामान नहीं आया। इस बीच पता चला कि बस स्टेशन पर कोई खाद्य सामग्री रोडवेज की बसों से पहुंच रही है। टीम वहां पहुंची तो खोवा से भरे बोरे सड़क के किनारे उतारे गए थे, जिसे ई-रिक्शा वाले सहेज रहे थे। ऐसी सूचना मिली थी कि होली से पहले ही बड़ी मात्रा में खोवा मंगाया जा रहा है, जिसमें मिलावटी भी हो सकता है। तलाश में भोर में ही टीम मौके पर पहुंची थी।

कुल 10 क्विंटल खोवा पकड़ा गया है, जिसके लिए अभी तक केवल एक ही दावेदार सामने आए हैं। सोमवार तक अगर कोई और नहीं आया तो सैंपल लेकर सारा माल नष्ट करा दिया जाएगाः डॉ. सुधीर कुमार सिंह, सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा विभाग रोडवेज की बसों में बिना बुकिंग के कोई सामान ले जाना प्रतिबंधित है, लेकिन मिलावटी खोवा और अन्य खाद्य सामग्रियां दूसरे शहरों से गोरखपुर तक रोडवेज की बसों से ही आ रही हैं।

स्वयंभू भोलेनाथ की महिमा है अपरंपार, सबकी पूरी होती हैं मुरादें- सदियों पुराना है इतिहास

संवाददाता

गोरखपुर। कुनराघाट स्थित महादेव झारखंडी मंदिर में महाशिवरात्रि में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालुओं की यहां भोलेनाथ पर विशेष आस्था है। मान्यता है कि भक्तों की मुरादें यहां पूरी होती हैं। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाने को लेकर तैयारियां चल रही हैं। यहां भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग को स्वयंभू (उस जगह पर खुद से ही पहले से स्थापित) कहा जाता है। मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है कि मंदिर स्थल पर पहले घना जंगल होता था। यहां लकड़हारे रहते थे, जो लकड़ी काटकर अपना जीवन व्यतीत करते थे। 1928 में अपनी जीविका के लिए एक लकड़हारा लकड़ी काट रहा था तभी उसकी कुल्हाड़ी एक पत्थर से टकराई थी। पत्थर से खून निकलने लगा था।

बसपा नेता ने ट्रेडिंग में लगाए थे रुपये, 40.41 लाख की ठगी- लड़ चुके हैं मेयर का चुनाव

संवाददाता

गोरखपुर। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जालसाजों के बिछाए जाल में बसपा नेता नवल किशोर नथानी फंस गए और ट्रेडिंग के चक्कर में 40.41 लाख रुपये गंवा दिए। बसपा नेता ने साइबर थाने में अज्ञात पर केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाली इलाके के पुर्दिलपुर निवासी व्यापारी नवल किशोर नथानी गोरखपुर से बसपा के टिकट पर मेयर का चुनाव लड़ चुके हैं। बसपा नेता ने बृहस्पतिवार को तहरीर देकर बताया कि व्हाट्सएप पर अभिषेक कुमार एके कैपिटल का मैसेज आया। वह उनसे शेयर मार्केट के लाभ से संबंधित चैटिंग करने लगा। फिर उसने एक व्हाट्सएप ग्रुप का लिंक भेजा, जिसमें उनके एक परिचित भी जुड़े थे।

निषाद पार्टी विधायक को देखकर भड़के धर्मात्मा के परिजन, हंगामा

• धर्मात्मा की पत्नी अंजली ने आरोप लगाया कि विधायक सरवन निषाद के पिता और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद और उनके भाई पूर्व सांसद प्रवीण निषाद व निषाद पार्टी के अन्य नेताओं के उत्पीड़न से तंग आकर उसके पति धर्मात्मा निषाद ने आत्महत्या कर ली। भाई परमात्मा ने भी विधायक और उनके परिवार को धर्मात्मा की खुदकुशी के लिए जिम्मेदार ठहराया।

संवाददाता

गोरखपुर। निषाद पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद की खुदकुशी के एक सप्ताह बाद चौरीचौरा के विधायक सरवन

निषाद उनके परिजनों से मिलने पहुंचे। निषाद पार्टी के विधायक को देख धर्मात्मा के परिजन भड़क उठे इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिजनों ने धर्मात्मा की खुदकुशी के लिए विधायक और उनके परिवार को जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान मौजूद गांव के लोग विधायक के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाने लगे। माहौल तल्ख होता देख विधायक कुछ ही देर में वहां से निकल गए। धर्मात्मा की पत्नी अंजली ने आरोप लगाया कि विधायक सरवन निषाद के पिता और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद और उनके भाई पूर्व सांसद प्रवीण निषाद व निषाद पार्टी के अन्य नेताओं के उत्पीड़न से तंग आकर उसके पति धर्मात्मा निषाद ने आत्महत्या कर ली। भाई परमात्मा ने भी विधायक और उनके परिवार को धर्मात्मा की खुदकुशी के लिए जिम्मेदार ठहराया। कहा कि, उनके भाई की मौत के बाद विधायक इस मामले में लीपापोती करने आए हैं। विधायक ने धर्मात्मा की पत्नी और उनके भाई को समझा कर शांत कराने की कोशिश की। इस पर परमात्मा ने कहा कि, मेरे भाई पार्टी के लिए समर्पित रहा लेकिन आपने उसके लिए क्या किया बताएं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी विधायक सरवन निषाद से नाराजगी जाहिर करते हुए मुदार्बाद के नारे लगाना शुरू कर दिया। इस बीच विधायक ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके परिवार का धर्मात्मा की खुदकुशी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर झूठे और भ्रामक तथ्य फैलाकर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि धर्मात्मा निषाद की मौत को एक सप्ताह हो चुका है और विधायक अब सांत्वना देने आए हैं। इस दौरान निषाद पार्टी और विधायक के खिलाफ नारेबाजी और हंगामा बढ़ता गया। गांव में तनाव बढ़ने की जानकारी पर थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन लोग शांत नहीं हुए। माहौल बिगड़ता देख विधायक सरवन निषाद समर्थकों और पुलिस कर्मियों के साथ निकलने लगे लेकिन लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी जारी रखी। धर्मात्मा की पत्नी अंजली रो पड़ीं और कहा कि उनके पति को खुदकुशी के लिए मजबूर करने के आरोपी अब एक सप्ताह बाद संवेदना प्रकट करने आए हैं।

Senior journalist Murtaza Hussain Rahmani was honoured with 'Social Warrior' and journalist Pawan Gupta with 'Pawan Putra Award' in the felicitation ceremony of All India Urs Committee.

Gorakhpur. Murtaza Hussain Rahmani, who is known for creative writing, sociality and anchoring of special shows, was given this honour by the All India Urs Committee officials as well as committee president Muhammad Raza Laddan Khan, vice president Rehan Marufi and general secretary Asrar Alam. Murtaza Hussain Rahmani has introduced himself in the society as a social guard working in the society and a true hero of the society working for positive changes in rural areas. Along with this, Pawan Gupta, who has made a significant contribution in the field of journalism, was also honoured by the committee with the Pawan Putra Award. This honour was given to Murtaza

Hussain Rahmani and Pawan Gupta in a ceremony in Alinagar.""On this occasion, Muhammad Raza Laddan Khan said that in this long tenure of journalism, Murtaza Hussain Rahmani worked on many different beats. He has been writing on social and cultural issues for the past many years. In view of his hard work, he was honoured with Samajik Yodha Samman. He said that the identity of a good journalist is that he remains active in the field of journalism by helping people along with social service.""On this occasion, Vice President Rehan Marufi said that senior journalist Murtaza Hussain Rahmani is a big name in Gorakhpur city. He said that Pawan Gupta has also created a different identity with his hard work.""General Secretary Asrar Alam said that senior social worker, literature lover and journalist Murtaza Hussain Rahmani has worked in the field of social service while working in big newspaper institutions, giving first priority to physical, mental and social health. He said that Murtaza Hussain Rahmani and Pawan Gupta are proud to be honoured by the All India Urs Committee.""On this occasion, the State President of the Committee, Ghulam Ali Khan said that senior journalist Murtaza Hussain Rahmani and journalist Pawan Gupta have done a commendable job by writing for the progress of the society. I congratulate both these great men on receiving the award."On this occasion, mainly Syed Rehan Marufi, Muhammad Raza Laddan Khan, Asrar Alam, Mahmood Ahmed Ansari, Muhammad Yunus Ansari, Ghaffar Ahmed, Ghulam Ali Khan, Abdul Shakir, Muhammad Shamim, Maqsood Ahmed etc. were present.

Amid Telangana tunnel collapse, blame game rages : BRS slams Revanth, Cong targets KCR

Hyderabad | Rescue operation underway to extricate eight persons who have remained trapped for over 30 hours inside a tunnel after a section of it collapsed in the SLBC project.Rescue operation underway to extricate eight persons who have remained trapped for over 30 hours inside a tunnel after a section of it collapsed in the SLBC project. (PTI Photo) As the rescue teams continue to grapple with adverse conditions inside the Srisailam Left Bank Canal (SLBC) project tunnel in Telangana's Nagarkurnool district – where eight men have been trapped after a portion of the tunnel's roof collapsed on Saturday morning – a political slugfest has erupted with the Opposition Bharat Rashtra Samiti (BRS) accusing the ruling Congress of being more interested in the upcoming elections for the state Legislative Council elections than focusing on the rescue operation. Irrigation Minister N Uttam Kumar Reddy, who is overseeing the efforts to pull out the trapped workers, hit back at the BRS, saying that Chief Minister A Revanth Reddy has been monitoring the situation on an hourly basis and has deputed him and minister Jupally Krishna Rao to coordinate the rescue efforts. "I strongly condemn the BRS leadership for attempting to politicise the SLBC tunnel incident instead of supporting the rescue efforts," Uttam Kumar Reddy said. The MLC elections for the Graduates and Teachers constituencies will be held on February 27. The Congress, the BRS, and the BJP have mounted intense campaigns for their candidates to clinch the seats. On Monday, Revanth Reddy addressed a public

meeting at Mancherial and Nizamabad as part of the Congress's campaign for these polls. Charging that Revanth Reddy was "missing" from the tunnel site but was addressing multiple public meetings, BRS working president K T Rama Rao or KTR, and senior BRS leader T Harish Rao criticised the CM for "giving priority to the MLC election campaign rather than overseeing the rescue operation". "The CM and the Congress government are indifferent to the fate of the eight persons trapped in that tunnel," Harish Rao alleged. KTR attacked the CM, alleging that he was busy touring the districts for the MLC electioneering but has avoided going to the mishap site. "The lives of eight people hang in balance and the CM is not serious about the disaster. What can be expected from this administration?" he asked. In a statement, KTR stated: "Is this the value given to human life under the Congress rule? Does the Congress care only about seeking votes and money?". Raising concerns about the "lack of leadership", KTR likened Revanth Reddy to emperor Nero "who fiddled while Rome burned". "While the people of Telangana suffer, the Chief Minister is more interested in political gains than in providing support to grieving families," he claimed. He urged the Congress government to address the crisis at hand failing which, he added, the people would teach them a lesson. Rebutting the BRS's allegations, Uttam Kumar Reddy said: "We have reviewed the relief operations with representatives from the Army, Navy, and National Disaster Response Force (NDRF). The government is putting in all possible efforts to save the eight lives inside the tunnel.

Why Uttarakhand Finance Minister is caught in eye of 'hills vs plains' storm

Dehradun | Uttarakhand Finance Minister Prem Chand AggarwalUttarakhand Finance Minister Prem Chand Aggarwal (Photo - Facebook/Prem Chand Aggarwal) After Uttarakhand Finance Minister Prem Chand Aggarwal triggered a heated "hills versus plains" debate in the state Assembly Friday, protests erupted across the state against the minister over his remarks, forcing him to apologise. The row has again ignited this divide in the state, whose political discourse has often been dominated by it. "Such thoughts and perceptions about people of the hills are against the dignity of the House and should be criticised. However, I have also asked our MLAs to be careful,"

Why snakes are responsible for most wildlife attack deaths in Kerala

Thiruvananthapuram | in her constituency Priyanka said funds are snakes, sarpa kavu, kerala man animal conflictA sarpa kavu, or a sacred grove for snakes, in Kerala. (Photo: Wikimedia Commons) Congress Member of Parliament Priyanka Gandhi has written to Kerala Chief Minister Pinarayi Vijayan, asking for increased funds to mitigate man-animal conflict

required for measures to protect human settlements in and around forest areas. Earlier this month, four people died in elephant attacks within 48 hours in Kerala, including one in Wayanad. On February 23, a tribal couple was killed by an elephant in Wayanad. In the letter, Kannur.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।